p>

Title: Need to formulate special schemes for the upliftment and rehabilitation of SCs and STs residing in hilly/plateau regions of Bihar, Jharkhand and Chattisgarh states.

श्री महाबली सिंह (काराकाट): अध्यक्ष महोदया, आजादी के 62 साल गुजरने के बाद भी देश के पठारी इलाकों में रहने वाले अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के लोगों की स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हो पाया है। वे आज भी भूखे-प्यासे और नंगे पेड़ों के नीचे जीवन जीने को मजबूर हैं। खासकर बिहार, झारखंड तथा छत्तीसगढ़ राज्यों के पठारी इलाकों में रहने वाले लोगों की हालत बद से बदतर होती जा रही है, क्योंकि आज तक उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवहन जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गई हैं।

आज लोग वहां मरने के कगार पर खड़े हैं। भूख मिटाने के लिए कोई दूसरा साधन उपलब्ध नहीं है जिसके चलते उन राज्यों में नक्सली गतिविधियां दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं और लोगों का विश्वास लोकतंत्र से उठता जा रहा है, जो देश हित में नहीं है।

अध्यक्ष महोदया, अगर सरकार ने इस पर समय रहते ध्यान नहीं दिया, तो आज जो हम विदेशी आतंकवादियों से परेशान हैं और देश में जिस दिन लाखों उग्रवादी तैयार होंगे, यह देश के लिए बहुत बड़ी खतरे की घंटी होगी। इसलिए हम सदन से अनुरोध करना चाहते हैं कि आज देश में इस कारण उग्रवादी गतिविधियां बढ़ रही हैं। यदि समय रहते सरकार ने उन लोगों तक सभी सुविधाएं न पहुंचाई तो उग्रवाद को बढ़ने से रोका नहीं जा सकता। इसलिए ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं उपलब्ध करवाकर सरकार उन्हें रोकने का काम करे।